सत्यमेव जयते

प्रारंभिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन

पाठ्यक्रम एवं टर्मवार अधिगम उद्देश्य

पर्यावरण अध्ययन

कक्षा : 3 से 5 तक

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना' के विकास एवं कार्यान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

बोध शिक्षा समिति

यूनिसेफ, जयपुर

पर्यावरण अध्ययन शिक्षण के उद्देश्य

एनसीएफ–2005 के नीति निर्देशक सिद्धांतों में कहा गया है कि ज्ञान को विद्यालय के बाहरी जीवन से जोड़ना, पढ़ाई की रटन्त प्रणाली से मुक्ति, पाठ्यचर्या पाठ्यपुस्तक केन्द्रित न हो कर बच्चों को चहुँमुखी विकास के अवसर मुहैया करवाए, परीक्षा को लचीला बनाना और कक्षा की गतिविधियों से जोड़ना तथा एक ऐसी अधिभावी पहचान का विकास जिसमें प्रजातांत्रिक राज्य व्यवस्था के अन्तर्गत राष्ट्रीय चिंताएँ समाहित हों। एन.सी.एफ 2005 की इन्हीं भावनाओं को आत्मसात् करते हुए तथा इसके व्यापक फलक को समाहित करते हुए राजस्थान की प्राथमिक कक्षाओं के लिए पर्यावरण अध्ययन विषय का एक नया पाठ्यक्रम विकसित किया गया है।

पर्यावरण अध्ययन शिक्षण के मुख्य उद्देश्य –

- सृजनात्मक अभिव्यक्ति के अवसर मिलें।
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर प्रारम्भिक अभ्यास के अवसर मिलें।
- अवलोकन, वर्गीकरण,प्रयोग व निष्कर्ष निकालने के अवसर मिलें।
- ड़िजाईन,मापन व अनुमानीकरण के अवसर मिलें।
- व्यक्तिगत व स्थानीय अनुभवों के आधार पर यथार्थ का विश्लेषण करने का अवसर मिल सके।
- अपने आसपास की विविधता और जटिलता को बेहतर रूप से समझ कर सहजीवी विकास की आवश्यकता पर चिन्तन के अवसर मिल सकें।
- पर्यावरण की रक्षा के लिए जागरूक होने के अवसर मिल सकें।
- सामाजिक बदलावों एवं राष्ट्रीय सरोकारों पर चर्चा करते हुए समता के विभिन्न आयामों को समझने के अवसर मिल सकें।

स्रोतःपर्यावरण अध्ययन पाठ्यक्रम कक्षा 3–5,राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर

उपरोक्त उद्देश्यों को यदि गौर से पढ़ें तो मालूम होता है कि इनकी पूर्ति हेतु हमें वर्तमान पाठ्यक्रम एवं शिक्षण पद्धति में काफी परिवर्तन लाने होंगे। बच्चे कैसे सीखते हैं व उन्हें किस प्रकार का माहौल देना है इनके बारे में पुनः चिंतन करने की आवश्यकता है।

पाठ्यक्रम

राजस्थान की प्राथमिक कक्षाओं के लिए पर्यावरण अध्ययन का पाठ्यक्रम विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण विषयों को एकीकृत करके बनाया गया है। यहाँ विषयों के एकीकरण से आशय अलग अलग विषयों के प्रकरणों की सूची मात्र नहीं, वरन एक व्यापक फलक पर विषयों का ऐसा अन्तर्ग्रन्थन है जिसमें किसी विषय की कोई सीमा प्रत्यक्ष दिखाई नहीं देती है। इसके पीछे सोच यह रही कि प्राथमिक कक्षाओं में विषयों के कड़े अनुशासन बच्चों में सहज ज्ञान के निर्माण में बाधक नहीं हों।

पाठ्यक्रम प्रकरणों की सूची के रूप में नहीं है अपितु यहाँ पुरानी पाठ्यक्रम बनाने की रूढ़ियों को तोड़कर व्यापक विचार विमर्श के बाद थीमों के आधार पर विकसित किया गया है। इस प्रकार थीम आधारित करने का मुख्य लक्ष्य इस में शामिल विषयों को और अधिक एकीकृत रूप से प्रस्तुत करना है।

नवनिर्मित पाठ्यक्रम में इन थीमों को एन.सी.ई.आर.टी के पाठ्यक्रम के अनुरूप रखा गया है लेकिन थीमों का विकास करते हुए राजस्थान के संदर्भ को पर्याप्त महत्व दिया गया है। इस पाठ्यक्रम हेतु थीमें एवं उप थीमें निम्नानुसार हैं :–

थीम–1 : परिवार मित्र और आस–पास का वातावरण

जिस की चार उपथीम हैं –

1.1 सम्बन्धों का ताना–बाना (आपसी संबन्ध);

1.2 काम और खेल;

1.3 जीव–जंतु;

1.4 पेड़–पौधे

थीम–2 : भोजन

थीम–3 : आवास

थीम–4 : पानी (जल)

थीम–5 : यात्रा

थीम–6 : कुछ करना व बनाना

थीमवार शिक्षण हेतु नीचे पाठ्यक्रम (कक्षा 3 से 5) की मुख्य अवधारणाएँ दी गई हैं। जिसके अनुसार स्तरवार शिक्षण करवाते हुए पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाना है।

पाठ्यक्रम कक्षा : 3

(राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्धारित)

थीम : परिवार, मित्र और आस–पास का वातावरण

उपथीम–1.1 : संबन्धों का ताना–बाना (आपसी सम्बन्ध)

मेरा परिवार

- परिवार की अवधारणा।
- परिवार के प्रकार, परिवार के सदस्य एवं रिश्तेदारों की पहचान।
- रिश्तों के ताने–बाने।
- परिवार के कुछ सदस्य जो दूर रहते हैं उनके साथ रिश्ते।

परिवार और मैं

- परिवार में बच्चों की स्थिति, उनकी आदतें, पसन्द, नापसंद, परिवार आवश्यकता पूर्ति का साधन, बच्चों के सर्वांगीण विकास में परिवार के विभिन्न सदस्यों की भूमिका।

परिवार की खास बातें

- बड़ा–छोटा, लम्बा–नाटा, बलिष्ठ–सामान्य में अन्तर कर पाना। भारी व हल्की आवाज़ में अन्तर।
- परिवार के सदस्यों की कुशलताएँ, सदस्यों की ऊँचाई व लम्बाई का अनुमान लगाना।

परिवार के बुजुर्ग एवं अन्य सक्षम सदस्य

- बुजुर्ग एवं अन्यथा सक्षम व्यक्तियों (जैसेः दृश्य/श्रव्यदोष से संबंधित) के प्रति संवेदनशील होना।
- बढ़ती उम्र।
- कम उम्र में अन्यथा सक्षम या अन्य कारणों के साथ शरीर के अंगों की शिथिलता पर चर्चा।

मैं और मेरे मित्र

- मित्र कैसे बनते हैं एवं उनकी आवश्यकता।
- अन्यथा सक्षम लोगों के प्रति संवेदनशीलता।

उपथीम–1.2 : खेल और कार्य

मेरे आसपास के कार्य

- घर के कार्यों एवं विभिन्न व्यवसायों पर विचार।
- विभिन्न कार्यों से समय के संबंध पर विचार।
- लिंग, आयु के आधार पर कार्यों के विभाजन पर विचार। काम एवं आराम के समय की जानकारी होना।

मेरे आस–पास के खेल

- स्थानीय, घरेलू व बाहरी खेलों की चर्चा। खेलों की अवधारणा।
- स्कूल में खेल।

कार्य और बच्चे

- कार्य के प्रति सम्मान की भावना विकसित होना। घर के एवं स्वयं के कार्यों को करने हेतु प्रेरित करना।
- बालकों के विद्यालय जाने के महत्त्व पर चर्चा।
- जाति एवं आर्थिक आधार पर बच्चों के कार्य पर चर्चा।

उपथीम–1.3 : जीव–जन्तु

रेंगने और उड़ने वाले जानवर

- रेंगने वाले, उड़ने वाले जानवरों एवं कीड़े–मकोड़े के बारे में बच्चों के विचारों एवं अनुभवों पर चर्चा करना।

प्यारे पक्षी

- पक्षियों के आवास, खानपान की आदतें, पंख व आवाज़ आदि के संदर्भ में बच्चों के अनुभवों पर बातचीत करना।

बड़े और छोटे जानवर

- जानवरों के बारे में बच्चों के विचारों या अनुभवों को जानना और उन पर चर्चा करना।

उपथीम–1.4 : पेड़–पौधे

आस–पास की हरियाली

- घर एवं खेत–खलिहान में उगने वाले पौधों पर चर्चा।
- पेड़–पौधों के अन्तर पर विचार करना। (मुख्यतः आकार व आयु के आधार पर।)
- पेड़–पौधों की विविधता एवं दैनिक जीवन में इनका महत्त्व।

पत्तियाँ और हमारा जीवन

- विभिन्न प्रकार की पत्तियाँ।
- पत्तियों का वर्गीकरण स्वाद एवं गन्ध के आधार पर।
- पतझड़ के अनुभव

थीम–2 : भोजन

पौधों व जन्तुओं से भोजन

- भोजन संबंधित सांस्कृतिक विविधता।
- भोज्य पदार्थ प्रदान करने वाले पौधों व जंतुओं के बारे में आधारभूत अवधारणा।
- राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में खाए जाने वाले विशेष भोज्य पदार्थ।

भोजन पकाना

- भोज्य पदार्थ बिना पकाये/कच्चे व पका कर खाए जाने वाले।
- भोजन पकाने के लिए काम आने वाले विभिन्न ईंधन तथा भोजन पकाने में काम आने वाले विभिन्न स्टोव, गैस चूल्हा, सौर चूल्हा आदि।
- विभिन्न अंचलों में खाना बनाने में काम आने वाले बर्तन।
- परिवार में भोजन पकाने के कार्य में जेण्डर संवेदनशीलता।

परिवार में भोजन

- परिवार में लोगों की भोजन संबंधित आदतें। आयु, लिंग और शारीरिक कार्यों के अनुरूप भोजन की मात्रा।
- शिशु का भोजन, शिशु के भोजन में माँ के दूध का महत्त्व।
- खाद्यान की जानकारी।

जानवरों का भोजन

- पालतू और जंगली जानवरों का भोजन, पालतू जानवरों की देखरेख।

थीम–3 : आवास

मकान तरह–तरह के

- बरसात, सर्दी, गर्मी एवं अन्य समस्याओं से बचने के लिए आवास की आवश्यकता, साथ–साथ रहने के लिए घर की आवश्यकता।
- विभिन्न प्रकार के आवासों के बारे में चर्चा कि ऐसे घर क्यों बनाये जाते हैं – झोंपड़ी, बहुमंजिला इमारत, पक्के मकान, टेंट, बैलगाड़ी में मकान, नाव में मकान आदि।
- घुमन्तु लोगों के घर।

मेरे घर की सफाई और सजावट

- घर की साफ – सफाई की आवश्यकता, सफाई में सभी के सहयोग की आवश्यकता। घर का कचरा फेंकने के लिए स्थान। घर/आवास की अलग अलग तरीके से सजावट।

मेरे घर और कुछ अन्य जंतु

- परिवार के सदस्य, पालतू पशु व अन्य जीव–जंतु। घर में रहने वाले पालतू जंतुओं से लाभ।

आस–पड़ौस का नक्शा

- आस–पड़ौस का नक्शा।
- दिशाओं की प्रारम्भिक जानकारी।
- कक्षा–कक्ष व आस–पड़ौस का नज़री नक्शा बनाना।

जानवरों के आवास

- विभिन्न जन्तुओं के आवासों में विविधता।
- विभिन्न प्रकार के आवास।

थीम–4 : जल (पानी)

मेरे परिवार के जल स्रोत

- जल के विभिन्न स्रोत, पानी के उपयोग।
- पानी भरने में लिंग आधारित भूमिका एवं सामाजिक भेदभाव, जल प्राप्त करने में दूरी व उपयोग की मात्रा का अनुमान, साफ जल की व्यवस्था।

पेड़–पौधों और जन्तुओं के लिए पानी।

- जीवनधारियों के लिए पानी की अलग–अलग आवश्यकता।

पानी का अभाव

- पानी की कमी के कारण।
- पानी के दुरूपयोग को रोकना।

जल और जीवन

- पानी की उपलब्धता, पानी का दैनिक जीवन पर असर। गाँव एवं शहर में जल स्रोत
- बच्चों की दिनचर्या में पानी।
- घर में पानी का उपयोग। वर्षा ऋतु में आसपास के वातावरण पर प्रभाव।

जल का संग्रहण

- वर्षा के जल को घर में संग्रहण करने के तरीके। जल की मात्रात्मक समझ।

थीम–5 : यात्रा

यातायात की आवश्यकता

- यातायात की आवश्यकता एवं महत्व।

यातायात के प्रकार

- समय के साथ बदलते यातायात के साधन।
- स्थानीय एवं दूरगामी यात्राओं के लिए उपलब्ध साधन।
- प्राचीन एवं वर्तमान के साधनों में अन्तर।

संचार के साधन – पत्र भेजना

- संचार के एक साधन के रूप में पत्र, डाक व्यवसाय।
- संचार के अन्य साधन एवं उनमें समय के साथ आया परिवर्तन।

थीम–6 : कुछ करना व बनाना

मिट्टी के बर्तन व खिलौने

- लोगों की जरुरतें और उन के लिए चीज़ें बनाने की कोशिश।
- लोगों की रचनात्मकता और सूझबूझ।
- मिट्टी के गुण।
- मिट्टी के बर्तन बनाने की प्रक्रिया।

प्रथम टर्म (कक्षा–3)

थीमवार अधिगम उद्देश्य/कार्य एवं संबंधित पाठ

थीम – जल (पाठ 1 व 2)

- वर्षा ऋतु में आस–पास के वातावरण पर होने वाले प्रभाव के बारे में अनुभव सुन सकें एवं जानकारी प्राप्त कर सकें।
- जल के स्थानीय स्रोत, पानी के उपयोग आदि के बारे में अपने अनुभव शेयर कर सकें।
- पानी भरने में लिंग आधारित भूमिका एवं सामाजिक भेदभाव पर विचार व्यक्त कर सकें।
- जल प्राप्त करने में दूरी व उपयोग की मात्रा का अनुमान लगा सकें।
- जीवधारियों के लिए पानी की अलग–अलग आवश्यकता के बारे में विचार कर सकें।
- पानी की कमी के कारणों को सोच कर अभिव्यक्त कर सकें।
- पानी के दुरूपयोग को रोकने के बारे में विचार व्यक्त कर सकें।
- वर्षा के जल को घर में संग्रहण करने के तरीकों के बारे में विचार कर सकें।

थीम – भोजन (पाठ 3 से 5 तक)

- भोजन संबंधित सांस्कृतिक विविधता को विविध प्रसंगों के आधार पर समझ सकें।
- भोज्य पदार्थ प्रदान करने वाले पौधों व जंतुओं के बारे में आधारभूत अवधारणाओं को समझ सकें।
- राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में बनने/खाए जाने वाले विशेष भोज्य पदार्थों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें।
- बिना पकाये/कच्चे व पकाकर खाये जाने वाले भोज्य पदार्थों में अन्तर कर सकें।
- भोजन पकाने के लिए काम आने वाले विभिन्न प्रकार के ईंधन तथा भोजन पकाने में काम आने वाले विभिन्न प्रकार के चूल्हे जैसे– मिट्टी का चूल्हा, स्टोव, गैस चूल्हा, सौर चूल्हा आदि के बारे में अनुभव सुना सकें एवं जानकारी एकत्रित कर सकें।
- परिवार में भोजन पकाने के कार्य में जेण्डर संवेदनशीलता पर विचार कर सकें।
- भोजन संबंधी अच्छी आदतों के बारे में जान सकें एवं उन्हें अपना सकें।
- परिवार में आयु, लिंग और शारीरिक कार्यों के अनुरूप भोजन की मात्रा के बारे में समझ सकें।

सतत आकलन हेतु पाठ्यपुस्तक में दिए गए अवसर एवं गतिविधियाँ

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : जल, भोजन)
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)	• अवलोकन के आधार पर पानी के विभिन्न स्रोतों के नाम, उपयोग आदि के बारे में सूचना एकत्रित करना। विषय वस्तु से संबंधित घटनाओं के क्रम को समझ पाना। • भोजन की सूची तैयार करना। खाना बनाने और खाना खाने के बर्तनों की सूची तैयार करना। खाने की चीजों का नाम एवं उसे पकाने के लिए आवश्यक सामग्री की सूची तैयार करना।
संप्रेषण कौशल (Communication Skill)	• पानी के स्रोत, उपयोग, पानी भर कर रखने की आवश्यकता पर अपने विचार लिखित या मौखिक रूप में बताना, पानी की कमी से होने वाली परेशानियाँ, बारिश का पानी इकट्ठा करने के विभिन्न तरीके, पानी के अपव्यय आदि पर अपने विचार रखना, दूसरों के विचारों को सुनना एवं प्रतिक्रिया व्यक्त करना।

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : जल, भोजन)
	• स्वयं के घर पर जिन बर्तनों में पानी भर कर रखते हैं उनका चित्रांकन करना। बारिश से संबंधित अनुभवों को सुनाना। • भोजन के संदर्भ में अपने अनुभव सुनाना। स्वयं के घर पर बनने वाले भोजन की सूची तैयार करना। पकाने के तरीकों के आधार पर खाने की चीजों के नाम लिखना। • भोजन संबंधित स्वच्छ आदतों के बारे में अपने विचार लिखना या मौखिक बताना। स्वयं के घर में खाना खाने के तरीकों के बारे में बातचीत करना।
व्याख्या/ विश्लेषण करना।	• बारिश से होने वाले प्रभाव को पहचानना। • उपयोग में लिए गए पानी की मात्रा के आधार पर काम को ज्यादा से कम के क्रम में देख पाना। प्रकरण से संबंधित पहेली हल करना। • प्रकरण से सम्बन्धित चर्चा एवं एकत्रित जानकारी से निष्कर्ष निकालना।
वर्गीकरण (Classification)	• कार्यों की सूची में से जिन कार्यों में पानी की ज़रूरत है उन्हें अलग छाँटना, विभिन्न नामों में से पानी के स्रोतों के नाम अलग करना। पकाकर खाने वाली वस्तुओं और बिना पकाए खाई जाने वाले वस्तुओं में अन्तर करना।
प्रश्न करना (Questioning)	• पानी के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से प्रश्न करना। • घरों में काम में लिए जाने वाले बर्तन किन–किन वस्तुओं से बने हैं इसे पता करके लिस्ट बनाना।
प्रयोग (Experimentation)	• कागज़ मोड़ कर नाव की आकृति बनाना। • क्या मापना हैं किन चीज़ों की तुलना करनी हैं उनकी पहचान करना।
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• पानी भरने में लिंग संबंधी भूमिका तथा सार्वजनिक स्थानों से पानी भरने में जाति के आधार पर भेद–भाव के प्रति अपने विचार रखना। • पानी के संरक्षण के बारे में सोचकर विचार रखना। • भोजन पकाने में लिंग संबंधित भूमिका पर बातचीत करना। विभिन्न आयुवर्ग के लोगों/व्यक्तियों के भोजन की आवश्यकता के बारे में सोच पाना। • भोजन की सांस्कृतिक विविधता के बारे में सोचना।

नोट : मॉड्यूलवार थीम से संबंधित आकलन/मूल्यांकन के सूचक विषयवस्तु से जोड़ कर यहाँ नमूने के तौर पर दिए गए हैं। शिक्षकों से अनुरोध है कि दिए गए की सहायता से पाठों से अवधारणा क्षेत्र से संबंधित और बिन्दुओं को निकालें।

द्वितीय टर्म (कक्षा–3)

थीमवार अधिगम उद्देश्य/कार्य एवं संबंधित पाठ
उपथीम – खेल और कार्य (पाठ 6 व 7)
• घर के कार्य एवं आसपास के विभिन्न व्यवसायों के बारे में अनुभव सुना सकें एवं जानकारी प्राप्त कर सकें। • लिंग, आयु के आधार पर कार्यों के विभाजन पर स्वयं के विचार व्यक्त कर सकें।

- काम एवं आराम के समय की जानकारी कर सकें।
- स्थानीय, घरेलू व बाहरी खेलों में अन्तर कर सकें।
- विभिन्न कार्यों के प्रति सम्मान की भावना बना सकें तथा घर के एवं स्वयं के कार्यों को करने हेतु प्रेरित हो सकें।
- बालकों के विद्यालय जाने के महत्त्व पर विचार व्यक्त कर सकें।
- जाति एवं आर्थिक आधार पर बच्चों के साथ कार्य में हो रहे भेदभाव के बारे में विचार कर सकें एवं चर्चा के दौरान मत व्यक्त कर सकें।

उपथीम – सम्बन्धों का ताना–बाना (पाठ 8 व 9)

- परिवार की अवधारणा, परिवार के प्रकार, परिवार के सदस्य एवं रिश्तेदारों के बारे में जान सकें।
- अपने परिवार की तीन पीढ़ियों तक के कुर्सी नामा (family tree) को समझ सकें।
- परिवार में बच्चों की स्थिति, उनकी आदतें, पसन्द, नापसंद, परिवार के विभिन्न सदस्यों की भूमिका आदि के बारे में अनुभव सुना सकें।
- बुजुर्ग एवं विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों (जैसे– दृश्य/श्रव्यदोष से संबंधित) के प्रति संवेदनशील हो सकें।
- बढ़ती उम्र या अन्य कारणों के साथ शरीर में होने वाले शारीरिक बदलाव के प्रति संवेदनशील हो सकें।
- मित्र की आवश्यकता के बारे में विचार व्यक्त कर सकें।

सतत आकलन हेतु पाठ्यपुस्तक में दिए गए अवसर एवं गतिविधियाँ

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : खेल और कार्य, सम्बन्धों का तानाबाना)
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)	• चित्र का अवलोकन करना। • परिवार के सदस्यों के नाम लिखना एवं संबंध के संबोधन को समझना। • परिवार के सदस्यों की खासियत के बारे में अपने अवलोकन को लिखना।
संप्रेषण कौशल (Communication Skill)	• कार्य के संदर्भ में स्वयं की पसंद एवं ना पसंद को अभिव्यक्त करना। परिवार के सदस्यों द्वारा सुबह से शाम तक किए जाने वाले विभिन्न कार्यों को सारणी में लिखना। • स्वयं द्वारा खेले जाने वाले किसी खेल का नाम एवं खेलने के नियम लिखना। अपने परिवार के सदस्यों द्वारा खेले जाने वाले खेलों को सूचीबद्ध करना। • विभिन्न प्रकार के खेलों के लिए आवश्यक सामग्री एवं खिलाड़ियों की संख्या की सारणी तैयार करना। • स्वयं के परिवार के बारे में लिखना (जैसे– स्वयं का नाम, सदस्यों के नाम, उनके आपस में रिश्ते)। परिवार के सदस्यों की ख़ासियत या गुण, उनसे सीखे गए काम आदि के अनुभव बताना।
व्याख्या/ विश्लेषण करना।	• खेल के चित्र को उसके उचित नाम से मिलान करना। • परिवार की अलग–अलग स्थितियों के कारण के बारे में अनुमान लगाना। • सम्बन्ध और सम्बोधन के बारे में सोचकर मिलान करना।

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : खेल और कार्य, सम्बन्धों का तानाबाना)
वर्गीकरण (Classification)	• स्वयं कर सकने वाले काम एवं दूसरों की मदद से किए जाने वाले कार्यों में भेद कर पाना।
प्रश्न करना (Questioning)	• घर के बुजुर्गों से उनके बचपन में किए गए कार्यों के बारे में जानना। • बुजुर्गों से उनके बचपन के खेलों के बारे में जानना।
प्रयोग (Experimentation)	•
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• कामकाज के कारण नियमित स्कूल न जाने वाले बच्चों की परिस्थिति के बारे में सोच पाना। • परिवार के बुजुर्ग सदस्यों की ख़ासियत और उन्हें किस तरह मदद कर सकते हैं, के बारे में सोचना।

नोट : मॉड्यूलवार थीम से संबंधित आकलन/मूल्यांकन के सूचक विषयवस्तु से जोड़ कर यहाँ नमूने के तौर पर दिए गए हैं। शिक्षकों से अनुरोध है कि दिए गए की सहायता से पाठों से अवधारणा क्षेत्र से संबंधित और बिन्दुओं को निकालें।

तृतीय टर्म (कक्षा–3)

थीमवार अधिगम उद्देश्य/कार्य एवं संबंधित पाठ
उपथीम – पेड़–पौधे (पाठ 10)
• घर एवं खेत–खलिहान में उगने वाले पौधों के बारे में स्वयं का अनुभव व्यक्त कर सकें।
• पेड़–पौधों की विविधता एवं दैनिक जीवन में इनके महत्त्व पर विचार कर सकें।
• पत्तियों का वर्गीकरण (रंग, आकार, बनावट, खुशबू आदि के आधार पर) कर सकें।
• पतझड़ के बारे में अनुभव सुना सकें।
उपथीम – जीव–जंतु (पाठ 11)
• रेंगने वाले, उड़ने वाले एवं कीड़े–मकोड़ों के बारे में विचारों/अनुभवों को व्यक्त कर सकें।
• पक्षियों के आवास, खानपान की आदतें, पंख व आवाज़ आदि के संदर्भ में अपने अनुभवों को व्यक्त कर सकें।
थीम – कुछ करना व बनाना (पाठ 12)
• मिट्टी के बर्तन बनाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें।

सतत आकलन हेतु पाठ्यपुस्तक में दिए गए अवसर एवं गतिविधियाँ

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : पेड़–पौधे, जीव–जंतु,कुछ करना व बनाना)
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)	• आस–पास के पेड़–पौधों के तने एवं पत्तों के आकार के आधार पर फ़र्क समझना। पत्तियों की खुशबू, रंग व डिज़ाइन में फर्क को समझना। किन्हीं 2 पत्तियों में समानता एवं फर्क को समझना। कपड़ों में पत्तियों के डिज़ाइन खोजना। • आस–पास के जीव–जंतुओं एवं जीव जन्तुओं की तस्वीरों का अवलोकन करके सूची तैयार करना। पशु–पक्षियों की देख–रेख एवं उनसे जुड़ी अन्य घटनाओं के क्रम को पहचानना। चित्रों में से एक जैसे दिखने वाले चित्रों को पहचानना। मिट्टी के बर्तन

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : पेड़–पौधे, जीव–जंतु,कुछ करना व बनाना)
	बनाने के विभिन्न चरणों का अवलोकन (चित्र के माध्यम से)
संप्रेषण कौशल (Communication Skill)	• अपने दोस्त के साथ किए जाने वाले कार्यों की सूची तैयार करना। • जीव–जंतुओं की चाल, आवाज़ तथा पक्षियों के गर्दन घुमाने के तरीके का अभिनय करना। इनके खान पान, आवाज़, पंखों के डिज़ाइन एवं उनकी देखभाल आदि के बारे में मौखिक/लिखित रूप में अभिव्यक्त करना। • परिचित पेड़–पौधों के नाम लिखना एवं चित्र बनाना। पेड़–पौधों के आकार, पत्तियों के रंग, डिज़ाइन, खुशबू आदि के बारे में अपने अनुभव बता पाना। पौधों की देख–रेख पर अपने विचार रखना तथा समूह के अन्य बच्चों की बात सुनना। • मिट्टी के बर्तन बनाने के संदर्भ में अपना अनुभव कक्षा में सुनाना।
व्याख्या/ विश्लेषण करना।	• जीव–जंतुओं से संबंधित विभिन्न तथ्य एवं अनुभव एकत्रित करना तथा उसके आधार पर निष्कर्ष निकालना। जीव–जंतुओं और पेड़–पौधों के बीच अंतर्संबंध को देख पाना। जीव–जंतुओं को आकार के आधार पर क्रमबद्ध करना। पक्षियों की चोंच में समानता एवं अन्तर कर पाना। • पत्तियों एवं संबंधित फलों का मिलान करना।
वर्गीकरण (Classification)	• जीव–जंतुओं के समूह में से विशेषता के आधार पर समूह बनाना। जैसे– ज़मीन पर चलने वाले, तैरने वाले, उड़ने वाले, चोंच में पाए जाने वाले अंतर आदि.... • रंग, आकार, आकृति के आधार पर पत्तों को वर्गीकृत करना। कपड़ों या अन्य वस्तुओं में फूल एवं पत्तियों के डिज़ाइन खोजना। • खिलौनों का वर्गीकरण करना। (जिन वस्तुओं से बनते हैं उस आधार पर।)
प्रश्न करना (Questioning)	• दादा/दादी के बचपन में किए गए कामों के बारे में पता करके लिखना। वयस्कों से उनके बचपन के खेलों के बारे में पता करना। • घर के बुजुर्गों से उनके बचपन के बारे में जानना। • पहले के समय में दिखाई देने वाले पेड़–पौधों के बारे में बुजुर्गों से पता करना। पहले और अब के पेड़–पौधों में तुलना करना।
प्रयोग (Experimentation)	• जीव–जंतुओं एवं पानी के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से प्रश्न करना। • चिकनी मिट्टी से ईंट तैयार करके घर बनाना। तरह–तरह के घरों के चित्र एकत्रित करके चार्ट पर चिपकाना। • माचिस के डिब्बे से रेलगाड़ी बनाना। पत्र पेटी बनाना। डाक टिकट इकट्ठे करके चिपकाना। फ़ोन बनाना। • मिट्टी से बर्तन बनाना।
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• सुविधाहीन बच्चों के प्रति संवेदनशील होना। • घरेलू काम में लिंग विषमता पर बात करना, कामकाजी होने के कारण पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों व स्कूल न जाने वाले बच्चों के बारे में जानकारी एकत्रित करना तथा उनके लिए विचार करना। • पेड़–पौधों से दोस्ती एवं उनकी देखभाल करना।

चतुर्थ टर्म (कक्षा–3)

थीमवार अधिगम उद्देश्य/कार्य एवं संबंधित पाठ

थीम – आवास (पाठ 13 से 16)

- बरसात, सर्दी, गर्मी एवं अन्य समस्याओं से बचने के लिए आवास की आवश्यकता को समझ सकें।
- विभिन्न प्रकार के आवासों (झोपड़ी, बहुमंजिला इमारत, पक्के मकान, टेंट, बैलगाड़ी में मकान, नाव में मकान आदि) को बनाने के कारणों पर चर्चा कर सकें। घुमन्तु लोगों के आवास के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें।
- घर की साफ–सफाई की आवश्यकता, सफाई में सभी के सहयोग, कचरा निस्तारण की आवश्यकता को समझ सकें।
- घर/आवास की अलग–अलग तरीके से सजावट आदि के बारे में विचार व्यक्त कर सकें।
- परिवार के सदस्य के रूप में घर में रहने वाले पालतू जंतुओं, पालतू पशु व अन्य जीव–जंतु के बारे में जान सकें।
- आस–पड़ौस का नक्शा बना सकें, दिशाओं की प्रारम्भिक जानकारी प्राप्त कर सकें।
- कक्षा–कक्ष व आस–पड़ौस का नज़री नक्शा बना सकें।
- जन्तुओं के आवासों में विविधता को समझ सकें।

थीम – यात्रा (पाठ 17 से 18)

- समय के साथ यातायात के साधनों में आए बदलाव के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें।
- स्थानीय एवं दूरगामी यात्राओं के लिए उपलब्ध साधनों में अन्तर कर सकें।
- प्राचीन एवं वर्तमान समय के साधनों में अन्तर कर सकें एवं पहिए के प्रकारों में फर्क कर सकें।
- संचार के विभिन्न साधन एवं इनमें समय के साथ आए परिवर्तन के बारे में समझ सकें।

सतत आकलन हेतु पाठ्यपुस्तक में दिए गए अवसर एवं गतिविधियाँ

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : आवास, यात्रा)
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)	• चित्र के आधार पर आवासों में फ़र्क करना। आस–पास अवलोकन करके मकानों के निर्माण की सामग्री की सूची तैयार करना। नक्शे में से वस्तुओं की सूची बनाना। • चित्र की सहायता से विभिन्न जानवरों के आवासों का बारीकी से अवलोकन करना। अवलोकन के आधार पर वाहनों की सूची बनाना। प्रकरण से संबंधित चित्रों में सूक्ष्म विवरण को देख पाना। चिट्ठियों में अन्तर देखना (जैसे– टिकटों में फ़र्क, डाक का ठप्पा) डाक घर का अवलोकन। • चित्र देखकर रेल्वे स्टेशन की विभिन्न घटनाओं पर बातचीत करना।
संप्रेषण कौशल (Communication Skill)	• स्वयं के घर का चित्र बनाना एवं घर के सदस्यों के बारे में लिखना। चित्र की सहायता से पक्षियों एवं जानवरों के आवास के बारे में अपना विचार रखना। पक्षियों के घोंसलों के चित्र बनाना। घर व आस पास की सफाई तथा विशेष अवसरों पर घर सजाने के तरीके, इस्तेमाल कर रहे साधनों के बारे में बताना।

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : आवास, यात्रा)
	नक्शे पर आधारित प्रश्नों का (जैसे– निशान बनाना, वस्तुओं की सूची तैयार करना) उत्तर लिखना, नक्शा बनाने में संकेत/निशान की आवश्यकता आदि मुद्दों पर बातचीत में भाग लेना। • स्वयं की यात्रा के अनुभव सुनाना तथा अन्य बच्चों के अनुभव सुनना। यात्रा के लिए प्रयोग में आने वाले विभिन्न वाहनों के बारे में पढ़ना एवं बातचीत करना। अलग–अलग प्रकार के फ़ोन के चित्र बनाना। फ़ोन एवं चिट्ठी के बारे में अपना विचार लिखना।
व्याख्या/ विश्लेषण करना।	• पहेली हल करना। पक्षियों/कीटों को उनके आवास से मिलाना। कुछ सवालों के उत्तर का अनुमान लगाना जैसे– नक्शे में निशान क्यों बनाए जाते हैं, वाहनों का संबंधित पहिए एवं ईंधन से मिलान करना। वाहन से संबंधित पहेली हल करना।
वर्गीकरण (Classification)	• विभिन्न प्रकार के आवासों में समानता एवं अंतर को देखना। • जानवरों के समूह में से पालने वाले जानवरों के नाम अलग छाँटना। • पहिए व उपयोग में लिए जाने वाले ईंधन के आधार पर वाहनों के समूह बनाना।
प्रश्न करना (Questioning)	• आस पास के लोगों से जानवरों, जैसे– गाय, भेड़, मुर्गी आदि को पालने के लिए किए जाने वाले काम के बारे में जानकारी प्राप्त करना। • पुराने समय के वाहनों के बारे में पता करना। बीस साल बाद किस प्रकार के वाहन होंगे, इस बारे में कल्पना करके लिखना।
प्रयोग (Experimentation)	• अनुपयोगी वस्तुओं से मकान का मॉडल बनाना। अंगूठे व उँगली को स्याही में दबा कर उन से जीव–जंतुओं की आकृतियाँ बनाना, अपने पसंद के वाहन का मॉडल बनाना एवं स्कूल में प्रदर्शनी लगाना।
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• आर्थिक स्थिति के आधार पर आवासों में भिन्नता को लेकर बातचीत करना जैसे– शहर या आसपास ऊँची इमारतें हैं वहीं कुछ लोग जो फुटपाथ पर रहते हैं।

पाठ्यक्रम कक्षा : 4

(राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्धारित)

थीम–1 : परिवार, मित्र और आस–पास का वातावरण

उपथीम–1.1 : सम्बन्धों का ताना–बाना (आपसी सम्बन्ध)

माँ का बचपन

- ननिहाल की अवधारणा, उस परिवार के सदस्यों के साथ बच्चों की रिश्तेदारी।

पिताजी का बचपन

- पिताजी की रिश्तेदारियाँ।

हमारे परिवार

- संयुक्त एवं एकल परिवार।
- परिवार में प्रचलित मानवीय मूल्य और समय के साथ आने वाले परिवर्तन।
- परिवार में आय के स्रोत, जेण्डर की स्थितियाँ एवं निर्णय लेने की प्रक्रिया।

बन्द आँख और मैं

- अन्य सक्षम लोगों के प्रति संवेदनशीलता।
- सूँघने, छूने की क्रिया।
- भावनात्मक प्रतिक्रिया एवं अच्छे व बुरे स्पर्श।

उपथीम–1.2 : खेल और कार्य

खेल–खेल में सीखें सब कुछ

- खेल व आपसी रिश्ते।
- खेलों के दौरान भेदभाव।
- विभिन्न खेलों के नियम।
- खेलों में सहयोग की भावना।

कौशलों का विकास

- स्थानीय स्तर पर विभिन्न व्यवसाय।
- व्यवसायों में कौशल।
- लिंग व कार्य।

मेले एवं सर्कस का आनंद

- मेलों, खेल–तमाशों, सर्कस आदि मेल जोल, भाईचारा, परस्पर सौहार्द।
- सर्कस और जानवरों के प्रति संवेदनशीलता।

उपथीम–1.3 : जीव–जन्तु

जानवर और उनके मित्र

- झुंड में रहने वाले जानवर और उनके व्यवहार।
- जानवर व इंसान के संबंध में संवेदनशीलता।

फूलों पर उड़ते कीट–पतंगे

- पुष्पों से शहद की प्राप्ति और शहद इकट्ठा करने का कार्य।
- कीट–पतंगों व फूलों का सहसम्बन्ध।

लम्बे–छोटे कान

- जानवरों के शरीर पर बाल, कान में सहसम्बन्ध ढूँढना।

उपथीम–1.4 : पेड़–पौधे

पेड़–पौधों की जड़ें

- पेड़–पौधों को जल की आवश्यकता व जड़ों द्वारा जल का अवशोषण।
- जड़ों द्वारा पौधे को स्थायित्व प्रदान करना।
- खाने योग्य जड़ें (गाजर, मूली, रतालू, शक्कर कंद, शलजम आदि)
- जमीन के बाहर जड़ें

पुष्प

- दैनिक जीवन में फूलों का उपयोग जैसे त्यौहारों, आयोजन,पर्व, पूजन आदि।
- विभिन्न प्रकार के पुष्पों की आकृति व उनका चित्रण दीवारों, कपड़ों, बर्तन, जानवरों आदि पर।
- पुष्पों को बेचने वालों की मात्रात्मक इकाई का पता होना। (जैसे– वज़न, संख्या, माला, प्रत्येक टहनी आदि के आधार पर बेचने की परिपाटी)
- राष्ट्रीय और राज्य पुष्प।

पेड़–पौधों की देखभाल

- आस–पास के पेड़–पौधे; जंगलों में उगने वाले पेड़–पौधे व उनकी देखभाल।
- पेड़–पौधों के उपयोग, पेड़ों की कटाई।

थीम–2 : भोजन

खाद्य पदार्थों की आपूर्ति

- भोज्य पदार्थ जैसे– अनाज, दालें, तिलहन और मसाले।
- किसान द्वारा उगाये जाने वाले फल, सब्जियाँ, अनाज, दालें, तिलहन और मसाले।
- सब्जी के खेत से बाज़ार तक आने के साधन।

विशेष अवसरों पर भोजन

- सामूहिक भोजन, मिड डे मील, विभिन्न उत्सवों–समारोह में बनने वाले भोजन और विभिन्न संस्कृति में बनने वाले अलग–अलग भोजन।
- राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता के आधार पर भोजन की विविधता।

जीभ और दाँत

- स्वाद, जिह्वा, दाँत और उसके प्रकार, दूध के दाँत, स्थाई दाँत, जीभ और आवाज़।

दाँत,चोंच और पंजे

- सामान्य जंतुओं में दाँत, पक्षियों की अलग–अलग प्रकार की चोंच और पंजे तथा उनके भोजन से संबंध।
- राजस्थान के पक्षियों की विविधता।

थीम–3 : आवास

आवास तब और अब

- समय के साथ मकानों में आये बदलाव।
- बहुमंजिली इमारतों के साथ शहरों में कच्ची बस्तियाँ।

कूड़ा–कचरा

- कचरे को कम करने की आवश्यकता पर विचार।
- कचरे को कम करने के उपाय।
- अनुपयोगी सामग्री।

आस–पड़ौस का नक्शा

- नक्शे बनाने की प्रारम्भिक अवधारणा।
- दिशाओं को व्यक्त करना। नक्शे में संकेत एवं माप का उपयोग (प्रारम्भिक समझ)।

थीम–4 : जल (पानी)

पीने योग्य पानी

- जल के स्रोत।

नदी एवं समुद्र

- जल का बहना।
- नदी का समुद्र में मिलना।
- समुद्र का विस्तार।
- मानचित्र और ग्लोब में नदी और समुद्र।
- पोखर, नदी व समुद्र में मौसम के अनुसार जल स्तर में बदलाव।

जल का गर्म होने पर गायब होना

जल का सूखना, भाप बनकर उड़ना और जमना।

थीम–5 : यात्रा

यातायात में पशुओं का प्रयोग

- यातायात में पशुओं का उपयोग।
- जानवरों के प्रति संवेदनशीलता।

यात्रा किराया

- देश और मुद्राएँ
- राष्ट्रीय प्रतीक
- भाषा और लिपि।

दूसरे स्थानों की यात्रा

- पर्यटन स्थल, रोजगार हेतु यात्रा।
- किसी अन्य देश की समझ– भाषा, कपड़े, मुद्रा, खान–पान आदि।

थीम–6 : कुछ करना व बनाना

हमारे वस्त्र

- कपड़ों की भिन्नता
- कपड़ों की रंगाई, छपाई, रंगों का बनना व संयोजन, प्राकृतिक रंग
- लोगों की रचनात्मकता और सूझबूझ।
- हजारों साल पहले के कपड़े।

प्रथम टर्म (कक्षा–4)

थीमवार अधिगम उद्देश्य/कार्य एवं संबंधित पाठ

थीम – भोजन (पाठ 1 से 4)

- चिड़ियों की अलग–अलग तरह की चोंच में अन्तर कर सकें। भोजन लेने में चोंच व पंजे उनकी मदद कैसे करते हैं, इसे समझ सकें। राजस्थान में पाए जाने वाले पक्षियों की विविधता को समझ सकें।
- किसानों द्वारा उगाए जाने वाले फल, सब्जियाँ, अनाज, दालें, तिलहन और मसालों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। खेत से बाज़ार व बाज़ार से घर तक लाने में कौन–कौन सी व्यवस्थाएँ मदद करती हैं इसे समझ सकें।
- सामूहिक भोजन, मिड डे मील, विभिन्न उत्सवों–समारोहों में बनने वाले भोजन के बारे में अनुभव व्यक्त कर सकें। विभिन्न संस्कृति में बनने वाले अलग–अलग भोजन के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें।
- जीभ और दाँत भोजन करने एवं बोलने में किस प्रकार उपयोगी होते हैं, इसे समझ सकें। दाँतों के प्रकार एवं काम के बारे में अनुभव व्यक्त कर सकें।

उप थीम – पेड़–पौधे (पाठ 5)

- दैनिक जीवन में फूलों का उपयोग जैसे त्यौहारों, आयोजन, पर्व, पूजन आदि के बारे में अनुभव व्यक्त कर सकें।

- फूलों के प्रकार और उनकी आकृति में अन्तर कर सकें। फूलों के डिज़ाइन का उपयोग आस–पास की वस्तुओं में खोज सकें। फूल बेचने वाले से जानकारी एकत्रित कर सकें।

उप थीम – जीव–जन्तु (पाठ–6)

- झुंड में रहने वाले और अकेले रहने वाले जानवरों, उनके व्यवहार के बारे में जान सकें। जानवरों पर हमारा नियन्त्रण और उनके प्रति हमारे व्यवहार के बारे में अनुभव सुना सकें।

सतत आकलन हेतु पाठ्यपुस्तक में दिए गए अवसर एवं गतिविधियाँ

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : भोजन, जीव–जन्तु, पेड़–पौधे)
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)	• पक्षियों के चित्रों का अवलोकन करके पहचाना। पक्षियों के चोंच व पंजों के चित्र देख कर पहचानना। • अपने दाँतों को काँच में देखकर उनके चित्र बनाना। • जीभ और दाँत भोजन करने एवं बोलने में किस प्रकार उपयोगी होते हैं, इसे समझना। • किसानों द्वारा उगाए जाने वाले फल, सब्जियाँ, अनाज, दालें, तिलहन और मसाले के बारे में जानकारी प्राप्त करना। • खेत, अनाज–मंडी, दुकानों के रेखाचित्रों को समझना। • मंडी व लंगर की तस्वीरों का अध्ययन करना। • आस–पास के फूलों का अवलोकन करके उनके रंग, पंखुड़ी, खुशबू आदि के बारे में तालिका में लिखना।
संप्रेषण कौशल (Communication Skill)	• पक्षियों के व्यवहार के बारे में अनुभव सुनाना। दोशाखी पूँछवाली चिड़िया का चित्र बनाना। कठफोड़वा के जीभ के चित्र बनाना। • मंडी, किराना दुकान,राशन दुकान के बारे में अनुभव सुनाना व लिखना। • खेत से बाजार व बाजार से घर तक लाने में कौन–कौनसी व्यवस्थाएँ मदद करती हैं, इसके बारे में अपने अनुभव सुनाना एवं लिखना। • पकवान बनाने की विधि पता करके लिखना। सामूहिक भोज के अनुभव सुनाना एवं लिखना।
व्याख्या/ विश्लेषण करना।	• चोंच व पंजों के चित्रों को उनसे किए जा सकने वाले कामों से मिलान करने के लिए कारण सोचना। • एकत्रित की गई जानकारी के आधार पर अनुमान लगाना कि पक्षी अब कम क्यों हो गए हैं? • जानवरों के अकेले या झुंड में रहने के कारणों पर विचार करना।।
वर्गीकरण (Classification)	• पक्षियों के पंजों व चोंच को उनके द्वारा किए जा सकने वाले काम के आधार पर अन्तर करना। • हमारे दाँतों को उनके काम के आधार अलग–अलग पहचानना। • खाने के सामानों को उनके खरीदने की आवृत्ति के अनुसार वर्गीकृत करना। • झुंड में रहने वाले और अकेले रहने वाले जानवरों की सूची तैयार करना।

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : भोजन, जीव–जन्तु, पेड़–पौधे)
प्रश्न करना (Questioning)	• अपने घर में कौन सा भोजन का सामान कब खरीदा जाता है, पता लगाना। • अपने आस–पास के राशन की दुकान के बारे में वयस्कों से पता लगाना। • पालतू जानवर,, झुंड में रहने वाले जानवर आदि के बारे में जानकारी एकत्रित करने के लिए प्रश्न पूछना एवं लिखना। • मधुमक्खी के काटने पर क्या लगाते हैं, पता करके लिखना। शहद से संबंधित विभिन्न तथ्य एकत्रित करना (जैसे– शहद की कीमत, रंग, इस्तेमाल आदि) • वयस्कों व बच्चों की दाँत की संख्या पता करने हेतु प्रश्न पूछना।
प्रयोग (Experimentation)	• चिकनी मिट्टी से पक्षियों के खिलौने बनाना। पक्षियों की जानकारी इकठ्टी करके चार्ट पर लिख कर कक्षा में प्रदर्शित करना। • दाँत, जीभ होंठ व तालु को अलग–अलग प्रकार से उपयोग करके ध्वनियाँ निकालन। • फूलों से गुलकंद बनाना।
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• साँप को देखते ही मार देना ठीक है या नहीं इस पर विचार–विमर्श करना। • अलग–अलग समुदाय के पर्वों और पकवानों को समझना। • भोजन के अपव्य को रोकने के बारे में सोचना।

द्वितीय टर्म (कक्षा–4)

थीमवार अधिगम उद्देश्य/कार्य एवं संबंधित पाठ
उप थीम – खेल और कार्य (पाठ–7)
• स्कूल में खेलने की व्यवस्थाएँ एवं टूर्नामेन्ट के अनुभव सुना सकें। खेलों को बढ़ावा देने के लिए उचित माहौल बनाने की आवश्यकता, खेलों के नियम, आपसी सहयोग की आवश्यकता को समझ सकें।
उप थीम – संबंधों का तानाबाना (पाठ 8)
• माँ और पिता के बचपन के अनुभव और समय के साथ हुए परिवर्तनों के बारे में विचार कर व्यक्त कर सकें। महिला और पुरुष के लिए अवसरों में असमानता को पहचान सकें एवं उसके प्रति जागरूक हो सकें। समय के साथ परिवार में आए परिवर्तन (बड़े से छोटा होना) को समझ सकें।
उप थीम – पेड़–पौधे (पाठ 9)
• पेड़–पौधों को जल की आवश्यकता एवं उनकी देखभाल के बारे में विचार कर सकें। माली के काम से परिचित हो सकें। • विभिन्न प्रकार की जड़ों के बारे में जान सकें। (खाने योग्य जड़ें जैसे– गाजर, मूली, रतालू, शक्कर कंद, शलजम आदि)।
थीम – कुछ करना व बनाना (पाठ 10)
• कपड़ा बनने के अलग–अलग चरण, कपड़ों की रंगाई, छपाई,रंगों का बनना व रंग संयोजन, आदि के बारे में जान सकें। स्थानीय स्तर के काम एवं इस काम को करने के लिए आवश्यक कौशलों के बारे में समझ बना सकें।

सतत आकलन हेतु पाठ्यपुस्तक में दिए गए अवसर एवं गतिविधियाँ

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : खेल और कार्य, संबंधों का ताना–बाना, पेड़–पौधे, कुछ करना व बनाना)
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)	• अपने आस–पास उगे कई तरह के कैक्टस के पौधों का अवलोकन करना,उनमें तुलना करके लिखना। • कहानी के जरिए अलग–अलग परिवारों में आये बदलाव के कारणों को जानना। स्वयं के द्वारा भाग लिए गए किसी विवाह का अनुभव लिखना। बच्चों के स्कूल छोड़ने के कुछ कारणों के बारे में जानकारी एकत्रित करना। • चित्रों का अवलोकन कर कपड़ा बनने के अलग–अलग चरणों को समझना। • दर्जी से कपड़ा लाकर कपड़े के अलग–अलग प्रकारों को जानना
संप्रेषण कौशल (Communication Skill)	• प्रतियोगिता में खेले जाने वाले खेलों की सारणी देख कर सवालों के जवाब देना। • खेल प्रतियोगिता/टूर्नामेंट के बारे में अनुभव लिखना। • अपनी स्कूल में उपलब्ध खेल सामग्री को तालिका बना कर लिखना। • खादी के बने कपड़े कैसे होते हैं के बारे में विचार रखना। • देश के विभिन्न इलाकों के पोशाकों के बारे में विचार रखना।
व्याख्या/ विश्लेषण करना।	• पेड़ों की जड़ें जमीन के नीचे क्यों फैली होती हैं? आदि प्रश्नों पर अनुमान लगाना। • वयस्क लोग जो बचपन में पढ़ नहीं पाए हैं उनकी पढ़ाई में आई रुकावटों के बारे में अनुमान लगाना। • कोटा–डोरिया के कपड़े अन्य कपड़ों से भिन्न होने व इसे गर्मी के मौसम में पहनने के कारण पर विचार करना। • आज से हज़ारों साल पहले लोगों द्वारा ऊनी और सूती कपड़े नहीं पहनने के कारण पर विचार करना। • जब टीवी नहीं हुआ करते थे तब बच्चों और बड़ों ने खाली समय कैसे बिताए होंगे, इस पर अनुमान लगाना।।
वर्गीकरण (Classification)	• आयु वर्ग के अनुरूप खेले जाने वाले खेलों में अन्तर करना। • बिना सिले और सिले हुए कपड़ों की सूची बनाना। विभिन्न डिज़ाइनों के आधार पर कपड़ों में भेद करना।
प्रश्न करना (Questioning)	• रिले दौड़ और जिम्नास्टिक खेल क्या होता है इसके बारे में पता करना। • विभिन्न रूप से सक्षम बच्चे कौन–सी प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे इस के बारे में पता करेंगे। • टाई डालना क्या होता है ? इसके बारे में पता करना। • कपड़ों के सुरक्षित उपयोग के बारे में जानकारी करना। • गाँव या शहर में होने वाले काम–धन्धे के बारे में पता करना।

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : खेल और कार्य, संबंधों का ताना–बाना, पेड़–पौधे, कुछ करना व बनाना)
प्रयोग (Experimentation)	• गुलकंद बनाने का प्रयास करना। • कागज़ की पट्टियों से कपड़े की बुनाई कैसे होती है समझने का प्रयास करना। • हैंड–लैंस से कपड़े की बुनाई को ध्यान से देखना।
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• खेलों में भिन्न रूप से सामर्थ्य वाले बच्चों व बालिकाओं के अवसरों की आवश्यकता पर बात करना। • पोशाकों में विविधता के प्रति विचार करना।

तृतीय टर्म (कक्षा–4)

थीमवार अधिगम उद्देश्य/कार्य एवं संबंधित पाठ
उप थीम : खेल और कार्य (पाठ–11)
• मेलों, खेल–तमाशों, सर्कस आदि में मेल जोल, भाईचारा, परस्पर सौहार्द की बात को समझ सकें। स्थानीय मेलों, सर्कस आदि में आने वाले लोगों के लिए की जाने वाली व्यवस्थाओं एवं उसकी आवश्यकता के बारे विचार कर सकें।
उप थीम : जीव–जन्तु (पाठ–12)
• जानवरों को विभिन्न आधारों पर वर्गीकृत कर सकें।
उप थीम : सम्बन्धों का तानाबाना (पाठ–13 व 14)
• विभिन्न उत्सवों और अवसरों पर परिवार के सभी सदस्यों के एकत्रित होने की आवश्यकता को समझ सकें। इस संदर्भ में स्वयं के अनुभव सुना सकें। • विशेष योग्य जनों के प्रति संवेदनशील हो सकें। • परिवार में आय के स्रोत, लिंग की स्थितियाँ एवं निर्णय लेने की प्रक्रिया के बारे में विचार व्यक्त कर सकें। • हमारे शरीर में इन्द्रियों के द्वारा आस–पास को जानने की क्षमता होती है, इस का अहसास कर सकें।

सतत आकलन हेतु पाठ्यपुस्तक में दिए गए अवसर एवं गतिविधियाँ

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : खेल और कार्य, जीव–जन्तु, सम्बन्धों का तानाबाना)
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)	• मेले के विभिन्न चित्रों का अवलोकन करना। • पौण्ड और रुपये के चित्रों का अवलोकन कर उसमें तुलना करना। • आँखें बंद करके अलग–अलग चीज़ों को गिरा कर उनकी आवाज़ से पहचानना। • आँखें बंद करके अलग–अलग चीज़ों को छू कर, सूँघ कर उन्हें पहचानना।
संप्रेषण कौशल (Communication Skill)	• मेले से संबंधित सवालों पर विचार विमर्श करना। • उनके माता–पिता के बचपन में उनके घर में परिवार के कौन–कौन लोग उनके साथ रहते थे, के सन्दर्भ में बताना। • आँखें बंद कर अलग–अलग चीज़ों को छू कर उनकी खास बातें बताना। • किसी कार्यक्रम में कार्यकर्त्ता के तौर पर काम करने के अनुभवों की चर्चा करना।

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : खेल और कार्य, जीव–जन्तु, सम्बन्धों का तानाबाना)
	• उनके स्कूल में सुरेश जैसा कोई बच्चा हो तो उसकी क्या मदद कर सकते हैं, इस पर विचार करना।
व्याख्या / विश्लेषण करना	• झुंड में रहने के फायदा एवं नुकसान पर बात करना।
वर्गीकरण (Classification)	• जानवरों की सूची से बाहरी कान वाले, बाल वाले आदि जानवरों को छाँट कर तालिका में लिखना। • अंडे देने व बच्चे देने के आधार पर अलग–अलग छाँटना। • वयस्कों की मदद एवं बिना मदद कर सकने वाले कार्यों में अन्तर करना।
प्रश्न करना (Questioning)	• गाँव या शहर में होने वाले काम–धन्धों के बारे में पता करना।
प्रयोग (Experimentation)	• ठप्पे से (अंगूठे व उँगली को स्याही में दबा कर) जीव–जंतुओं की आकृतियाँ बनाना, मिट्टी से बर्तन बनाना।
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• मेले–त्योहार में निहित परस्पर सौहार्द, मेलजोल, भाईचारा की बात पर विचार रखना। • विशेष योग्य जनों के प्रति संवेदनशील होना। • पाठ के माध्यम से कमली के माता–पिता को मिले पढ़ाई के अलग–अलग अवसरों पर विचार करना। • बाज़ार जैसे बाहर के काम करने में महिलाओं के आगे बाने की ज़रूरत पर विचार करना।

नोट : मॉड्यूलवार थीम से संबंधित आकलन / मूल्यांकन के सूचक विषयवस्तु से जोड़ कर यहाँ नमूने के तौर पर दिए गए हैं। शिक्षकों से अनुरोध है कि दिए गए कार्य की सहायता से पाठों से अवधारणा क्षेत्र से संबंधित और बिन्दुओं को निकालें।

चतुर्थ टर्म (कक्षा–4)

थीमवार अधिगम उद्देश्य / कार्य एवं संबंधित पाठ
थीम : आवास (पाठ 15 से 17)
• नक्शा बनाने की प्रारम्भिक अवधारणा को समझ सकें। • दिशाओं को व्यक्त कर सकें तथा संकेत एवं माप का उपयोग करते हुए नक्शा बना सकें। • समय के साथ मकानों में आए बदलावों पर विचार व्यक्त कर सकें। • कचरे को कम करने के उपायों पर विचार कर सकें तथा कचरे का काम करने वालों के प्रति संवेदनशील हो सकें।
थीम : यात्रा (पाठ 20)
• जानवरों के प्रति संवेदनशीलता हो सकें। • किसी अन्य देश की यात्रा के बारे में जान सकें, जैसे– पर्यटक : भाषा, कपड़े, मुद्रा, खान–पान आदि।

थीम : पानी (पाठ 18 से 19)

- पोखर, नदी व समुद्र में मौसम के अनुसार जल स्तर में होने वाले अन्तर को समझ सकें।
- पानी के भाप बनकर उड़ने एवं सूखने के बारे में दैनिक अनुभव के आधार पर विचार व्यक्त कर सकें।
- पानी के जमने से सम्बन्धित अनुभव को व्यक्त कर सकें। ठंडी सतह पर पानी की बूँदों के आने का अनुभव बाँटना एवं कारण पर विचार कर सकें।

सतत आकलन हेतु पाठ्यपुस्तक में दिए गए अवसर एवं गतिविधियाँ

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : आवास, यात्रा,पानी)
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)	• अपने स्कूल या घर के आस–पास अवलोकन कर दिशाओं के संदर्भ में पता लगाना कि उनके आस–पास क्या है। • अपने जिले के नक्शे, राजस्थान व भारत के नक्शे का अध्ययन करना। • टप्पू का घर वाले पाठ के टेक्स्ट को पढ़ने के बाद अपने घर का अवलोकन कर पता लगाना कि उनका घर किस चीज़ से बना है। • अपने इलाके में घूम कर पता लगाना कि कई हज़ारों साल पहले उनके इलाके में जब घर नहीं बने होंगे, तब ऐसी कौन–सी जगह रही होगी जहाँ लोग रहते होंगे। • गड्ढ़ों का अवलोकन करते समय उसमें आए बदलावों की चर्चा करना। • अँगुली को पानी से गीला कर कक्षा के श्यामपट्ट या फर्श पर पानी से अपना नाम लिखना। • आपने आस–पास नदी–नालों में पानी को बहते हुए देखना। • नक्शे में नदियों के रास्ते को बारीकी से देखना • रियाल और रुपये, पौंड़ और रुपये का चित्र देखना व तुलना करना। • लोगों के शारीरिक बनावट, भाषा एवं पहनावे के आधार पर दिखने वाले अन्तर पर चर्चा करना।
संप्रेषण कौशल (Communication Skill)	• चर्चा करना कि किस एक जगह खड़े होकर पूरा गाँव एक साथ देखा जा सकता है। • जिले के नक्शे का अध्ययन करना। • सोचकर बताना कि कचरे से कौन–कौन सी चीज़ों को दोबारा उपयोग में लिया जा सकता है। • गड्ढ़ों का अवलोकन करते समय उसमें आए बदलावों की चर्चा करना। • कपड़ों के सूखने में अपने अनुभव कक्षा में सुनाना। • समुद्र के बारे में जानकारी प्राप्त कर लिखना। • अभिनय द्वारा बताना कि उस व्यक्ति से कैसे बात करेंगे जो उनकी भाषा नहीं समझ रहे।

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : आवास, यात्रा,पानी)
व्याख्या / विश्लेषण करना।	• नक्शे का गहन अध्ययन कर किसी एक चीज़ की दूसरी चीज़ से दूरी का पता लगाना। • सोचकर बताना कि कचरे से कौन–कौन सी चीज़ों को दोबारा उपयोग में लिया जा सकता है। • स्कूल के नक्शे और चित्र का अवलोकन कर समझना कि दोनों में क्या अंतर है। • पुस्तक में दिए हुए प्रयोगों के आधार पर इस निष्कर्ष पर पहुँचना कि सूखे कपड़ों, गर्मी के दिनों में गड्ढ़ों, तालाबों, नदियों का पानी कहाँ चला जाता है। • हमारे आस–पास कई सारा पानी भाप बनकर उड़ता रहता है। क्या यह पानी हमें फिर से किसी रूप में मिल पाता है जब अनुमान लगाकर इसके निष्कर्ष (जरूरी नहीं बच्चे निष्कर्ष पर पहुँच पाए) पर पहुँचना।
वर्गीकरण (Classification)	• कचरे की बनाई सूची को अलग–अलग हिस्सों में बाँटना (जैसे– कबाड़, पुनः उपयोग कर सकने वाले आदि)। • पानी के मिटने का अनुभव करना। • धूप व छाया में रखे गिलास के पानी की मात्रा में आए अंतर को जाँचना।
प्रश्न करना (Questioning)	• पता लगाना कि स्वयं घर कब, किसने बनाया व समय के साथ उसमें क्या और कैसे बदलाव हुए। • पता लगाना कि गाँवों में सफ़ाई की व्यवस्था कौन करता है। • अपने परिवार या आस–पास से समुद्र के बारे में जानकारी प्राप्त करना। • उस व्यक्ति से बात करना जो विदेश यात्रा पर गए हों। • अन्य देशों की मुद्रा के बारे में पता करना।
प्रयोग (Experimentation)	• अपने स्कूल व घर का नक्शा बनाना। • घास–फूस, बाँस, पत्तियाँ, मिट्टी आदि इकट्ठी कर हज़ारों साल पहले का एक घर बनाना। • पानी के विभिन्न प्रयोग करना।
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• इस पर विचार करना कि कचरे का निपटारा कैसे हो और कचरा बीनने वालों को गंदगी में जाए बिना उनके ज़रूरत की चीज़ें मिल जाएँ, इस पर विचार–विमर्श करना।

नोट : मॉड्यूलवार थीम से संबंधित आकलन/मूल्यांकन के सूचक विषयवस्तु से जोड़ कर यहाँ नमूने के तौर पर दिए गए हैं। शिक्षकों से अनुरोध है कि दिए गए की सहायता से पाठों से अवधारणा क्षेत्र से संबंधित और बिन्दुओं को निकालें।

पाठ्यक्रम कक्षा : 5

(राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्धारित)

थीम : परिवार मित्र और आस–पास का वातावरण

उपथीम–1.1 : संबन्धों का ताना–बाना (आपसी सम्बन्ध)

परिवार का बदलता स्वरूप

- परिवार की पीढ़ियों के बारे में चर्चा।
- परिवार के बदलते स्वरूप के कारण।
- बदलते स्वरूप के कारण रिश्तों पर प्रभाव, मूल्यों व भूमिकाओं में बदलाव।

परिवार में नए बच्चे का आगमन

- गोद एवं संरक्षक की अवधारणा को समझना।

परिवार के विस्थापन

- स्थानान्तरित/विस्थापित एवं स्थाई परिवारों की अवधारणा।
- पलायन के कारण।
- विस्थापित परिवारों के व्यवसाय।
- विस्थापन/स्थानान्तरण के कारणों का अनुभव, विस्थापन से उत्पन्न समस्याएँ।

मेरी पसंद

- पसंद, नापसंद को व्यक्तिगत व सांस्कृतिक भिन्नताओं के परिप्रेक्ष्य में देखने की कोशिश करना।

हम सब में कुछ बात है

- ब्रेल लिपि एवं सांकेतिक भाषा की जानकारी।

थीम : परिवार मित्र और आस–पास का वातावरण

उपथीम–1.2 : खेल और कार्य

टीम में खेल व लोकप्रिय खिलाड़ी

- खेलों के प्रकार, खेलों में टीम भावना एवं नेतृत्व।
- दूसरे देशों की टीमों की जानकारी होना व देशों के बीच खेल की भावना।

खेल व मनोरंजन में आए बदलाव

- परम्परागत स्थानीय खेल। आत्म रक्षा से जुड़े हुए खेलों का अभ्यास।
- विभिन्न शारीरिक व्यायाम।
- मनोरंजन में आने वाले परिवर्तन।

गर्म–ठण्डी साँसें

- अलग–अलग दर से साँस लेने का अनुमान, साँस लेने व छोड़ने से सीने का फैलना सिकुड़ना, साँस का नम व गर्म होना।
- ठण्डा करने व आग जलाने में फूँक की भूमिका पर शुरूआती बातचीत।

अच्छा काम गन्दा काम

- श्रम की गरिमा।
- कुछ अनिवार्य कार्यों जैसे सफाई आदि में समाज की निर्भरता। सामाजिक हैसियत, दर्जे के अनुसार कार्य का चुनाव।

थीम : परिवार मित्र और आस–पास का वातावरण

उपथीम–1.3 : जीव–जन्तु

जानवरों की दुनिया

- जानवरों की ज्ञानेन्द्रियों की चर्चा।
- मानव एवं जानवरों की गतिविधियों की तुलना।

थीम : परिवार मित्र और आस–पास का वातावरण

उपथीम–1.4 : पेड़–पौधे

पेड़–पौधों का उगना

- बीजों का अंकुरण, पौधा, बीज में भोजन का संग्रह, बीजों का प्रकीर्णन।

वृक्ष बचाओ

- वनों का संरक्षण।
- पेड़ों पर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वामित्व। पेडों को बचाने के लिए हुए आन्दोलन। राजस्थान में खेजड़ी का बलिदान।
- दूसरे देशों से आए पेड़–पौधों से परिचय।
- राजस्थान के संदर्भ में बाहर से आने वाले पेड़–पौधे, युकिलिप्टीस, लैंटाना के बारे में विशेष।

थीम–2 : भोजन

खाद्य पदार्थों का खराब होना

- भोजन का खराब होना और बर्बाद होना। भोजन संरक्षण के तरीके जैसे– सुखाना, अचार बनाना आदि।

खाद्य सामग्री कौन उगाता है।

- फसल उगाने की प्रक्रिया, किसानों व बच्चों के जीवन की कठिनता।
- मौसम आधारित पलायन, कृषि में सिंचाई और खाद की आवश्यकता।

हमारा मुख भोजन के स्वाद व पाचन के लिए।

- भोजन का मुख में पाचन प्रारम्भ होता है इसे दैनिक अनुभव से जोड़कर समझना। चबाने पर स्टार्च का ग्लूकोज़ में परिवर्तन।

खाद्य–शृंखला

- पौधों के लिए जल और खाद की आवश्यकता। खाद्य–शृंखला।

प्राचीन समय का भोजन

- खाने की आदत में बदलाव। कुछ क्षेत्रों में फ़सलों में होने वाले परिवर्तन। अलग–अलग क्षेत्रों में अलग–अलग भोजन की आदतें।

लोगों को भोजन कब नहीं मिलता।

- भोजन की कमी पर चर्चा।
- अकाल पर चर्चा। अकाल एक प्राकृतिक या मानव निर्मित घटना पर विचार।
- पोषण और स्वास्थ्य। भण्डारों में अनाज का उपयोग।

थीम–3 : आवास

अलग–अलग आवास क्यों ?

- क्षेत्र वातावरण (मौसम) उपलब्ध सामग्री के आधार पर आवास में भिन्नता/विविधता।
- आर्थिक स्थिति के आधार पर आवासों में अन्तर।

सब के लिए आवास

- संसाधनों और स्थानों को मिलजुल कर प्रयोग करने की आवश्यकता।
- बेघर लोगों का जीवन।
- पड़ौस का विचार।

चींटियों का नगर

- चींटियों एवं मधुमक्खियों के आवास और उनका सामाजिक व्यवहार।
- अलग–अलग प्रकार की चींटियों के बारे में जानना।

दुर्घटना के समय

- प्राकृतिक आपदाओं से घरों का नुकसान व सामुदायिक सहायता।
- नागरिक सुविधाओं के लिए काम करने वाली संस्थाओं जैसे– अस्पताल, पुलिस–स्टेशन, अग्निशमन केन्द्र, प्राथमिक चिकित्सा के बारे में चर्चा।

थीम–4 : जल (पानी)

पुराने समय में पानी की उपलब्धता

- पानी की उपलब्धि और पानी के स्रोत में समय के साथ बदलाव।
- यात्रियों के लिए पानी पिलाने की सामुदायिक सेवाएँ।

पानी का प्रवाह

- फ़सलों हेतु पानी की आवश्यकता।
- पानी के बहाव के कारण उसका उपयोग।
- सिंचाई के साधन।
- भिन्न–भिन्न फ़सलों के लिए पानी की अलग–अलग मात्रा की आवश्यकता।
- पानी को विभिन्न उपकरणों की सहायता से ऊपर चढ़ाने या पानी निकालने के तरीके। रहट का उपयोग।

जलीय पौधे और जन्तु

- जलीय जीवन (पौधे व जन्तु)।

क्या तैरा? क्या डूबा ? क्या घुला?

- पानी में तैरना व घुलना।
- पानी व तेल का आपस में न घुलना–मिलना।
- जल एवं अन्य तरल पदार्थों का आयतन मापने की इकाई–लीटर।

पानी,मच्छर व मलेरिया

- बहते हुए एवं ठहरे हुए पानी के फायदे एवं नुकसान।
- मच्छर एवं मलेरिया।
- अशुद्ध जल से होने वाली बीमारियाँ।

थीम–5 : यात्रा

ईंधन के प्रकार एवं बचत

- ईंधन के प्रकार, ईंधन की बचत।

यातायात एवं पर्यावरण

- यातायात प्रदूषण एवं रोकथाम के उपाय।

यातायात एवं सुरक्षा

- यातायात के नियम। यात्री सुरक्षा के उपाय।

पर्वतारोहण

- पर्वतारोहण का परिचय एवं प्रशिक्षण।

अंतरिक्ष यात्रा

- रात और दिन के समय आकाश दर्शन। पृथ्वी का आकार। अंतरिक्ष यात्रा।

प्राचीन स्मारक

- अतीत को जानने के लिए धरोहर के रूप में ऐतिहासिक इमारतें। इन्हें बनाने में प्रयुक्त सामग्री एवं कौशल।

थीम–6 : कुछ करना व बनाना

खेती व पशुपालन

- पशुपालन व खेती के काम, औजार प्रक्रिया का परिचय।
- व्यवसाय से जुडी बीमारियाँ/समस्याएँ।

प्रथम टर्म (कक्षा–5)

थीमवार अधिगम उद्देश्य/कार्य एवं संबंधित पाठ

थीम – जल (पाठ 1 से 3)

- जल के स्थानीय स्रोत, पानी के उपयोग आदि के बारे में अपने अनुभव शेयर कर सकें। पानी की उपलब्धता और पानी के स्रोत में समय के साथ आए बदलाव पर विचार कर सकें।
- लम्बी दूरी के यात्रियों के लिए पानी पिलाने की सामुदायिक सेवाओं के बारे में अनुभव सुना सकें एवं जानकारी एकत्रित कर सकें।
- विभिन्न फ़सलों के लिए पानी की अलग–अलग मात्रा की आवश्यकता के बारे में विचार–विमर्श कर सकें।
- सिंचाई के साधनों के बारे में तथा विभिन्न उपकरणों की सहायता से पानी को ऊपर चढ़ाने या पानी निकालने के तरीकों पर परिवेशीय अनुभव सुना सकें एवं इन तरीकों के प्रभाव के बारे में बता सकें।
- पानी में तैरने एवं घुलने वाली वस्तुओं की पहचान एवं अन्तर कर सकें।
- जल एवं अन्य तरल पदार्थों को मापने की इकाई को पहचान सकें।
- बहते हुए एवं ठहरे हुए पानी के फायदे एवं नुकसान के बारे में चर्चा कर सकें।
- अशुद्ध जल से होने वाली बीमारियों की पहचान कर सकें।

थीम – भोजन (पाठ 4 से 5)

- खाद्य पदार्थों को सुरक्षित रखने के विविध स्थानीय तरीकों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। (जैसे– सुखाकर व अचार बनाकर सुरक्षित रख सकते हैं।) भोजन के खराब होने और बर्बाद होने को पहचान सकें एवं अन्तर कर सकें।
- भोजन का मुख में पाचन प्रारम्भ होता है इसे दैनिक अनुभव से जोड़कर समझ सकें।
- पाचन में दाँत, जीभ एवं लार की भूमिका को पहचान सकें। चबाने पर स्टार्च का ग्लूकोज़ में परिवर्तन के बारे में प्रारम्भिक जानकारी प्राप्त कर सकें।
- भोजन की कमी से होने वाले बीमारियों पर विचार रख सकें।

थीम – कुछ करना व बनाना (पाठ – 6)

- फ़सल उगाने की प्रक्रिया के मुख्य चरणों एवं सम्बन्धित उपकरणों की जानकारी प्राप्त कर सकें।
- फ़सल नष्ट होने के कारण उत्पन्न समस्याओं के बारे में विचार कर सकें।

सतत आकलन हेतु पाठ्यपुस्तक में दिए गए अवसर एवं गतिविधियाँ

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : जल, भोजन, कुछ करना व बनाना)
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)	• विषय वस्तु के संदर्भ में दिए गए चित्रों का अवलोकन करना एवं अवलोकन नोट करना। पानी से संबंधित विविध प्रयोगों के अनुभव नोट करना। पुराने समय में वर्षा के पानी को सुरक्षित रखने की व्यवस्था को समझना (रेखा चित्र के माध्यम से)। राजस्थान के कुछ प्रमुख जल स्रोतों को नक्शे में ढूँढना (राजस्थान के) खेतों में सिंचाई के विभिन्न तरीकों का अवलोकन (चित्र/खेत के अवलोकन से)। पानी का बिल पढ़ना। स्कूल व आस पास के इलाकों में जल स्रोतों का सर्वे करना। • विभिन्न प्रकार की खाने की चीज़ों को चखकर, सूँघकर पहचानना। अपने आस पास उगने वाले फल सब्जियों के नाम लिखना। किसानों की कहानी..... के जरिए

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : जल, भोजन, कुछ करना व बनाना)
	खेती में आए बदलाव के बारे में जानना। आस पास के किसी खेत या बाग में अवलोकन करके एक प्रतिवेदन तैयार करना।
संप्रेषण कौशल (Communication Skill)	• पानी में घुलने वाले एवं नहीं घुलने वाली वस्तुओं के बारे में अपने विचार व्यक्त करना। प्राचीन जल स्रोतों जैसे कुएँ, बावड़ी आदि के संरक्षण की आवश्यकता पर अपने मत व्यक्त करना। जल प्रदूषण के बारे में अपना विचार रखना। पानी से फैलने वाली बीमारियों के बारे में अपना विचार रखना। सर्वे की जानकारियों को व्यवस्थित करना तथा प्रतिवेदन प्रस्तुत करना। • खट्टा, मीठा, तीखा आदि स्वाद की पहचान करना। विषय वस्तु से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श करना। भूख लगने पर कैसा लगता है, अनुभव शेयर करना। खाना खराब होने का अनुभव सुनाना। भोजन सुरक्षित रखने के विभिन्न तरीकों पर बातचीत करना। फ़सलों को उगाने में आए बदलाव तथा तरक्की/विकास पर बच्चों के विचार जानना।
व्याख्या/ विश्लेषण करना।	• प्रयोग से निकले निष्कर्षों के आधार पर घुलने वाली एवं नहीं घुलने वाली वस्तुओं में फ़र्क करना। • यात्रियों के लिए किए जाने वाले पानी की व्यवस्था के संदर्भ (पुराने समय व वर्तमान समय) में तुलनात्मक ढंग से समझना। • किए गए प्रयोग के आधार पर निष्कर्ष निकालना। कुछ प्रयोगों के संभावित कारण खोजना (जैसे– लार क्या काम करती होगी?, जो पानी हम पीते हैं वह कहाँ जाता होगा?) खाना जल्दी खराब होने के विभिन्न कारणों को खोजना। शरीर में खाना कहाँ जाता होगा चित्र द्वारा प्रस्तुत करना। समय के साथ फल एवं सब्जियों की उपलब्धता में आए बदलाव को समझना।
वर्गीकरण (Classification)	• दिए गए आधार पर विभिन्न खाद्य वस्तुओं का समूह बनाना। (जैसे– खट्टा, मीठा, तीखा आदि), पानी में वस्तुओं के तैरने एवं डूबने के आधार पर वर्गीकरण करना।
प्रश्न करना (Questioning)	• झील, तालाब, बावड़ी, जैसे– जल स्रोतों के बारे में वयस्कों से जानकारी एकत्रित करना।
प्रयोग (Experimentation)	• विभिन्न वस्तुओं का पानी में तैरने एवं डूबने की स्थिति का प्रयोग करके देखना तथा संबंधित तथ्यों को एकत्रित करना। प्रयोग के आधार पर पानी में घुलने एवं नहीं घुलने वाली वस्तुओं की सूची बनाना। • अलग–अलग प्रकार की वस्तुएँ चखकर स्वाद पहचानना।
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• पानी भरने में जातिगत एवं लिंग से संबंधित भेदभाव पर बातचीत करना।

द्वितीय टर्म (कक्षा–5)

थीमवार अधिगम उद्देश्य/कार्य एवं संबंधित पाठ

उप थीम – सम्बन्धों का ताना–बाना (पाठ 7, 9, 10)

- परिवार के बदलते स्वरूप के कारणों पर विचार व्यक्त कर सकें।
- बदलते स्वरूप के कारण रिश्तों, मूल्यों व भूमिकाओं में आए बदलाव पर विचार कर सकें।
- स्थानान्तरित/विस्थापित एवं स्थाई परिवारों की अवधारणा को समझ सकें एवं उससे उत्पन्न समस्याओं पर विचार कर सकें।
- पसंद, नापसंद को व्यक्तिगत व सांस्कृतिक भिन्नताओं के परिप्रेक्ष्य में समझ सकें।
- ब्रेल लिपि व सांकेतिक भाषा की जानकारी हो सकें।

उप थीम – खेल और कार्य (पाठ 8, 11)

- खेलों के प्रकार, खेलों में टीम भावना एवं नेतृत्व के बारे में विचार कर सकें।
- परम्परागत स्थानीय खेलों के बारे में जानकारी एकत्रित कर सकें। खेलों के अभ्यास एवं उनके उस्ताद (कोच) के बारे में जानकारी हो सकें।
- देशों के बीच होने वाले खेल की जानकारी एवं टीम भावना को समझ सकें।
- श्रम की गरिमा के बारे में विचार व्यक्त कर सकें।
- कुछ अनिवार्य कार्यों में समाज की निर्भरता के बारे में सोच सकें। (जैसे– सफाई आदि)

सतत आकलन हेतु पाठ्यपुस्तक में दिए गए अवसर एवं गतिविधियाँ

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : आपसी संबंध, खेल और कार्य)
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)	• खेती प्रक्रिया विभिन्न चरण से संबंधित चित्रों का अवलोकन। • चित्र की सहायता से खेलों को पहचानना। कुश्ती खेल के बारे में जानकारी करना। व्यक्तिशः एवं टीम में खेले जाने वाले खेलों की सूची तैयार करना। • परिवार के लोगों से मिलते–जुलते गुणों को नोट करके तालिका में लिखना। चित्र की सहायता से विभिन्न प्रकार के काम एवं सफाई के काम आने वाले उपकरणों को पहचानना।
संप्रेषण कौशल (Communication Skill)	• फसल नष्ट होने पर शहर एवं गाँव के लोगों को किन किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, इस पर बातचीत करना। खेती के लिए पानी की आवश्यकता तथा अनाज के रख–रखाव के संदर्भ में विचार विमर्श करना। आपसी संबंधों के संबोधन पर अपने विचार व्यक्त करना। • विभिन्न प्रकार के परिवारों को पहचानना। काम की तलाश में भटकने वाले परिवारों के बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था कैसी हो, इस पर विचार करना। • अपने मन पसंद खेल पर कहानी, कविता या अपना अनुभव कक्षा में सुनाना। • विभिन्न संदर्भों में परिवार में आए बदलाव के कारणों को पहचानना। ब्रेल लिपी के बारे में जानकारी होना। स्वयं द्वारा किए जाने वाले कामों की लिस्ट तैयार करना।
व्याख्या/ विश्लेषण करना।	• खेती करने के काम आने वाले नए एवं पुराने उपकरणों की तुलना करना। पहेली हल करना (आपसी रिश्तों से संबंधित एवं अन्य प्रकरणों से संबंधित)।

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : आपसी संबंध, खेल और कार्य)
	• कुछ घटनाओं के संभावित कारणों का अनुमान लगाना एवं उस पर बातचीत करना। • प्रकरण से संबंधित काल्पनिक प्रश्नों के संभावित उत्तर खोजना (जैसे– अगर कोई भी सफाई का काम नहीं करे तो, गाँधीजी के कहे अनुसार हम हर तरह के काम करने लगें तो हमारे घर में क्या बदलाव आएँगे?) कहानी या किस्से पर आधारित प्रश्नों की व्याख्या समूह में करना। छुआछूत और लिंग भेद में पुराने समय की घटना और वर्तमान समय की घटनाओं में तुलना करके स्वयं की राय व्यक्त करना।
वर्गीकरण (Classification)	• हमारे देश और अन्य देशों के सफाई कर्मियों की वर्दी एवं उपकरण में अन्तर करना।
प्रश्न करना (Questioning)	• किसी किसान से जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रश्न तैयार करना। • सफाई कर्मचारी से उनके काम से संबंधित जानकारी एकत्रित करना।
प्रयोग (Experimentation)	• स्कूल के आँगन में किसी कोने को खेती करने योग्य बनाना। बच्चों की सहभागिता से फ़सल बोने से लेकर पकने तक के काम को पूरा करना।
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• लड़के–लडकियों को खेलने के बराबर मौके को ले कर अपने विचार व्यक्त करना। • विशेष आवश्यकता वाले लोगों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना। • विभिन्न किस्सों के माध्यम से काम/रंग के आधार पर समाज में हो रहे भेद भाव के बारे में अपना विचार रखना।

तृतीय टर्म (कक्षा–5)

थीमवार अधिगम उद्देश्य/कार्य एवं संबंधित पाठ
उप थीम : खेल और कार्य (पाठ – 12)
• अलग–अलग दर से साँस लेने का अनुमान लगा सकें। साँस लेने व छोड़ने से सीने का फैलने, सिकुड़ने का अनुभव कर सकें। साँस का नम व गर्म होने को महसूस कर सकें। • ठण्डा करने व आग जलाने में फूँक की भूमिका पर विचार व्यक्त कर सकें।
उप थीम : जीव–जंतु (पाठ – 13)
• जीव–जन्तुओं की ज्ञानेन्द्रियों के बारे में चर्चा कर सकें। मनुष्य एवं जीव–जन्तुओं के क्रियाकलापों की तुलना कर सकें।
उप थीम : पेड़–पौधे (पाठ – 14 व 15)
• बीज के अंकुरण, प्रकीर्णन और बीजों में भोजन संग्रह आदि के बारे में समझ सकें। • वनों के संरक्षण की आवश्यकताएँ समझ सकें। जंगलों/पेड़ों पर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वामित्व पर विचार व्यक्त कर सकें। पेड़ों को बचाने के लिए हुए आन्दोलन जैसे– राजस्थान में खेजड़ी का बलिदान आदि प्रकरण के बारे में विचार व्यक्त करसकें। • विभिन्न देशों से आए पेड़–पौधों के बारे में जान सकें। • राजस्थान के संदर्भ में सफेदा (युकेलिप्ट्स) व लैंटाना (चतुरंग खनेरी) जूली क्लोरा के बारे में विशेष जानकारी हो सकें।

सतत आकलन हेतु पाठ्यपुस्तक में दिए गए अवसर एवं गतिविधियाँ

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : खेल व कार्य, जीव–जंतु, पेड़–पौधे)
अवलोकन और दर्ज़ करना।	• चित्र देखकर फूँक से बजाने वाले वाद्य यंत्रों को पहचानना। तस्वीरों के माध्यम से घटनाओं के क्रम को पहचानना तथा उसमें निहित सूक्ष्म विवरण को देख पाना। • घर के आस पास खेलने की सुविधा संबंधी जानकारी एकत्रित करना। • किस्से, प्रयोग, अनुभव या छोटी कहानियों के माध्यम से जीव–जंतुओं की देखने, सूँघने, सुनने और महसूस करने की शक्ति से संबंधित जानकारियाँ एकत्रित करना। (उदाहरण– पक्षियों के सिर पर उनकी आँखों की स्थिति) चित्र अवलोकन से विभिन्न जीवों के भोजन की सारणी बनाना। पौधों के खाने योग्य भागों की सूची तैयार करना (अनुभव के आधार पर) अभयारण्य जिन जिलों में स्थित है उन्हें मानचित्र में पहचानना। • ग्लोब में देशों को खोजना (कविता में आए देश)।
संप्रेषण कौशल (Communication Skill)	• पाठ से संबंधित कविता लय के साथ गाना। दैनिक जीवन में फूँक के इस्तेमाल से किए जाने वाले कार्यों की सूची तैयार करना। • स्वयं की सूँघने की शक्ति कहाँ और किन संदर्भों में इस्तेमाल करते हैं, के बारे में लिखना। बाघ एवं अन्य जानवरों की संख्या कम होने के कारणों पर बातचीत करना। • बीज अंकुरण प्रयोग के दौरान अवलोकन पर कक्षा में बातचीत करके निष्कर्ष निकालना। बीज बिखरने के विभिन्न तरीकों पर अपना विचार व्यक्त करना। • जानवरों की देखरेख के प्रति संवेदनशील होना। मनुष्य और जानवर के बीच आपसी संबंध को समझना।
याख्या / विश्लेषण करना	• गंध का अच्छा या बुरा होना, जानवरों के आकार और उनके सुनने की शक्ति के बीच संबंध को देखना। • शरीर में खाना कहाँ जाता होगा चित्र द्वारा प्रस्तुत करना। • बीज अंकुरण के प्रयोग से निकली जानकारियों के आधार पर निष्कर्ष निकालना। अवलोकन से निकले सवालों के संभावित उत्तर सोचना। जंगल कटने के कारण मौसम पर प्रभाव के संभावित कारणों को सोचना।
वर्गीकरण (Classification)	• बीज से एवं बिना बीज के उगने वाले पौधों में फर्क करना।
प्रश्न करना (Questioning)	• सफ़ाई कर्मचारी से उनके काम से संबंधित जानकारी एकत्रित करना। • बिना बीज के उगने वाले पौधों के बारे में पता करना। जंगल से जुडे विभिन्न तथ्यों के बारे में पता करके लिखना। जैसे– पेड़ों के अलावा जंगल में और क्या–क्या होता है ? क्या सभी जंगलों में एक ही तरह के पेड़ होते हैं।
प्रयोग (Experimentation)	• प्रकरण (उसी से ठंडा उसी से गरम) से संबंधित प्रयोग करके देखना एवं उस पर चर्चा करके निष्कर्ष निकालना। विभिन्न प्रकार की सामग्रियों से फूँक से बजने वाली सीटी बनाना तथा आवाज़ की तेजी के अनुसार घटते क्रम में सीटी को लगाना। • बीज को बढ़ने के लिए हवा, मिट्टी और पानी की आवश्यकता को प्रयोग करके समझना।

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : खेल व कार्य, जीव–जंतु, पेड़–पौधे)
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• जानवरों की देखरेख के प्रति संवेदनशील होना। मनुष्य और जानवर के बीच आपसी संबंध को समझना। पेड़–पौधों की देखरेख तथा जंगलों पर निर्भर लोगों के बारे में विचार करना। जंगल अधिकार कानून के बारे में जानकारी होना। • काम और खेल में लिंग संबंधित भेदभाव पहचानना तथा अपने विचार रखना। छुआछूत के भेदभाव के प्रति संवेदनशील होना।

चतुर्थ टर्म (कक्षा–5)

थीमवार अधिगम उद्देश्य/कार्य एवं संबंधित पाठ

थीम : कुछ करना व बनाना (पाठ – 16)

- पशुपालन कार्य एवं इस व्यवसाय से जुड़ी बीमारियों/समस्याओं के बारे में परिचित हो सकें।

थीम : आवास (पाठ 17 व 18)

- वातावरण (मौसम), क्षेत्रीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री के आधार पर आवास में भिन्नता/विविधता को समझ सकें।
- आर्थिक स्थिति के आधार पर आवासों में अन्तर पर विचार व्यक्त कर सकें।
- संसाधन एवं स्थान को मिलजुल कर प्रयोग करने की आवश्यकता को समझ सकें।
- प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान एवं सामुदायिक सहायता के बारे में समझ सकें। सामुदायिक सेवा जैसे : अस्पताल, पुलिस स्टेशन, अग्निशमन केन्द्र, प्राथमिक चिकित्सा आदि के बारे में जानकारी।
- चींटी एवं मधुमक्खियों के आवास और उनका सामाजिक व्यवहार के बारे में विचार कर सकें।

थीम : यात्रा (पाठ 19 से 22)

- ईंधन के प्रकार, ईंधन की बचत की आवश्यकता के बारे में समझ सकें।
- यातायात प्रदूषण एवं रोकथाम के उपायों पर विचार व्यक्त कर सकें।
- यातायात के नियम व यात्री सुरक्षा के बारे में जानकारी हो सकें।
- पर्वतारोहण का परिचय एवं इस के प्रशिक्षण के बारे में समझ सकें।
- रात और दिन के समय आकाश का अवलोकन करके अन्तर को समझ सकें। पृथ्वी के आकार के बारे में अनुमान लगा सकें। अंतरिक्ष यात्रियों एवं उनके अनुभव के बारे में बातचीत कर सकें।
- अतीत को जानने के लिए ऐतिहासिक इमारतों को धरोहर के रूप में समझ सकें। इन्हें बनाने में प्रयुक्त सामग्री एवं कार्य कौशल पर विचार व्यक्त कर सकें।

सतत आकलन हेतु पाठ्यपुस्तक में दिए गए अवसर एवं गतिविधियाँ

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : आवास, यात्रा)
अवलोकन और दर्ज़ करना।	• बाड़मेर में आई बाढ़ के माध्यम से वहाँ लोगों के सामने आई परेशानियों के बारे में चित्रों के माध्यम से जानना। • भूकम्प एवं बाढ़ से पीड़ित लोगों को किस प्रकार की वस्तुओं की आवश्यकता होगी इस संदर्भ सूची तैयार करना। • विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों में रहने वाले लोगों के आवास के बारे में चित्र के माध्यम से जानना। काम की तलाश में भटकने वाले तथा शहरों से हटाए जाने वाले लोगों की समस्याओं में अन्तर कर पाना।

आकलन क्षेत्र	आकलन के सूचकों के सापेक्ष पाठ्यपुस्तक से गतिविधियाँ (थीम : आवास, यात्रा)
	• भारत के मानचित्र में से उन स्थानों को ढूँढ़ना जो पाठ में विविध संदर्भों में आए हैं। मकानों के नक्काशी एवं खिड़कियों की ड़िजाइन में फ़र्क ढूँढ़ना। • किस्से के माध्यम से पर्वतारोहण और साहसिक यात्रा के बारे में जानकारी होना। • पर्वतारोहण में इस्तेमाल की जाने वाली चीज़ों के चित्र देखकर पहचानना। • ट्रैफिक संकेतों को पहचानना। अवलोकन द्वारा चंद्रमा के विभिन्न आकारों के चित्र बनाना।
संप्रेषण कौशल (Communication Skill)	• बाढ़ से किस प्रकार के नुकसान एवं परेशानियाँ हो सकती हैं इस बारे में अपना विचार रखना। • बिना घर के सड़क पर रहने वालों को मौसमी बीमारियों के अलावा और किस प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इस बारे में अपना विचार लिखना। • बिना घर के फुटपाथ पर रहने के कारण के बारे में चित्र के माध्यम से समझना। चित्र में दिए गए कारण के अलावा अन्य कारणों के बारे में पता करके कक्षा में बातचीत करना। • काम की तलाश में भटकने वाले परिवारों के बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था कैसी हो, इस पर विचार करना। • किसी पहाड़ पर अकेले दो दिन रहना पड़े तो किस तरह की तैयारी करनी होगी कल्पना करके लिखना। पठित सामग्री से संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखना।
व्याख्या/विश्लेषण करना	• बाढ़ या अन्य प्राकृतिक आपदा आए तो किस प्रकार के नुकसान हो सकते हैं? इस बारे में अनुमान लगाना। • भूकम्प के समय किसी मज़बूत चीज़ के नीचे छिपने के लिए क्यों कहा गया है? प्रकरण में विभिन्न संदर्भों में एकत्रित की गई सूचनाओं का विश्लेषण करना तथा घटना के संभावित कारणों को खोजना। भौगोलिक परिस्थिति के अनुरूप भवन निर्माण हेतु उपयोग में ली जाने वाली वस्तुओं के बारे में अनुमान लगाना। पुराने समय में बनी इमारतों की बनावट पर अनुमान लगाना जैसे बुर्ज क्यों बनाए होंगें? पर्वतारोहरण के दौरान आने वाली समस्याओं का अनुमान लगाना।
वर्गीकरण (Classification)	• विभिन्न घुमंतु लोगों के रहन–सहन एवं काम तथा अलग–अलग किसानों के जीवन में समानता एवं फ़र्क ढूँढ़ना। • समतल मैदान और पहाड़ों पर चढ़ने के अनुभवों की तुलना करना।
प्रश्न करना (Questioning)	• अपने आस पास रैन बसेरों के बारे में पता लगाना। रैन बसेरों की सुविधा के बारे में बड़ों से पता करना। मुसीबत के समय जिन संस्थाओं की मदद की आवश्यकता पड़ती है, उनके फोन नम्बर एवं पता वयस्कों से पूछकर लिखना। • आसपास के किसी ऐतिहासिक इमारत के बारे में जानकारी एकत्रित करना।
प्रयोग (Experimentation)	• अख़बारों से प्राकृतिक आपदा से संबंधित ख़बरें इकट्ठा करके कॉपी में चिपकाना। • तेल बचाने से संबंधित संदेश/नारों का संकलन करके लिखना। तेल के बारे में अखबार या पत्रिकाओं में छपी खबर का संकलन करके चार्ट पर चिपकाना।
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• प्राचीन इमारतें हमारी राष्ट्रीय धरोहर होती हैं। इनकी सुरक्षा और देखभाल सामूहिक जिम्मेदारी है, इस बात को समझना। • मकानों के छोटे–बड़े होने के विभिन्न कारणों पर विचार करना।

आकलन/मूल्यांकन के सूचक	
आकलन/मूल्यांकन सूचक	**आकलन/मूल्यांकन सूचकों के घटक**
अवलोकन और दर्ज़ करना। (Observation and Reporting)	• इन्द्रियों की मदद से आवश्यक सूचनाओं का संग्रह कर पाना। • मिलती–जुलती घटना/वस्तुओं के बीच अन्तर व समानता खोज पाना। • एक निश्चित क्रम में होने वाली (घटने वाली) घटनाओं के क्रम को पहचान पाना। • तस्वीरों, मानचित्रों व सारणियों को जटिलता के बढ़ते क्रम में पढ़ पाना।
संप्रेषण कौशल (Communication Skill) (अभिव्यक्ति/चर्चा)	• वर्णन, टिप्पणी, नोट आदि से अपने अवलोकन, जानकारियों एवं विचार को व्यवस्थित एवं स्पष्ट रूप से व्यक्त कर पाना। (मौखिक/लिखित/रेखाचित्रों/तालिकाओं/ चार्ट आदि के माध्यम से) • अपने पूर्व अनुभवों को याद करके सुनाना। • समूह में अपने (स्वयं के) विचार, राय को अभिव्यक्त कर पाना। • हो रही चर्चा में दूसरों के विचार व राय सुनना और उचित प्रतिक्रिया व्यक्त कर पाना।
वर्गीकरण करना (Classification)	• अवलोकन के आधार पर स्पष्ट अभिलक्षणों को देखकर समान वस्तुओं के समूह को पहचान पाना। • किसी एक विशेषता के आधार पर वस्तुओं के बड़े समूह में से उपसमूह निर्मित कर पाना।
व्याख्या/ विश्लेषण करना।	• किसी घटना या तथ्य के संभावित कारणों को पहचानना या अनुमान लगाना। • अवलोकन तथा संबन्धों की व्याख्या करने हेतु सरल परिकल्पनाओं का निर्माण करना। • प्रयोग/अनुभवों से मिली जानकारियों, तथ्यों, मापों और अवलोकनों के आधार पर निष्कर्ष निकाल पाना।
प्रश्न करना (Questioning)	• वस्तुओं, घटनाओं अथवा लोगों के विषय में जानकारी एकत्रित करने की दृष्टि से परिचित एवं अपरिचित लोगों से प्रश्न कर पाना। • यह समझना कि कुछ प्रश्नों का उत्तर पूछताछ के माध्यम से नहीं मिल सकता।
प्रयोग करना (Experimentation)	• प्रयोग के उपकरण व सामग्री का सावधानीपूर्वक उपयोग करना (व्यक्तिगत व सामूहिक कार्य के दौरान)। • मापन व तुलना करने के लिए मानक व अमानक इकाईयों का प्रयोग कर पाना। • गतिविधि/जाँच के दौरान प्रत्येक चरण को क्रमबद्ध कर पाना (व्यक्तिगत एवं सामूहिक कार्य के दौरान)। • विषय वस्तु के अनुसार तात्कालिक या परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुए नई चीज़ें बनाना (व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाओं के दौरान)।
न्याय व समता के प्रति सरोकार (Concern for justice and equality)	• अन्यथा सक्षम व सुविधा वंचित व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील होना। • सामाजिक एवं पारिवारिक असमानताओं के प्रति सचेत रहना, उनके संदर्भ में चिंतित होना व प्रश्न कर पाना। • पर्यावरण (जानवरों एवं पेड़–पौधों सहित) को महत्त्व देना।